7. साहित्यदर्पण के अनुसार काव्य की परिभाषा को स्पष्ट कीजिए।

8. महाभाष्य पश्पशान्हिक के अनुसार 'शब्द' की परिभाषा का वर्णन कीजिए।

9. 'अकतिथं च' सूत्र को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—स **2×16=32**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

10. 'काव्यस्यात्मा ध्वनिरिति' इस पंक्ति के आलोक में आनन्दवर्धन के अनुसार ध्वनि की परिभाषा देते हुए ध्वनि के विविध भेदों की समीक्षा कीजिए।

11. भरतमुनि के अनुसार रस का सांगोपांग वर्णन कीजिए।

12. मम्मटानुसार लक्षणा शब्द शक्ति किसे कहते हैं ? लक्षणा के भेदों का विवेचन कीजिए।

13. अलंकार किसे कहते हैं ? अलंकार सम्प्रदाय के उद्भव एवं विकास पर विशद चर्चा कीजिए।

MASA–04

December – Examination 2022

M.A. (Previous) Examination

SANSKRIT

(भारतीय काव्यशास्त्र एवं व्याकरण)

Paper : MASA-04

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **80***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **8×2=16**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) साहित्यदर्पण के मंगलाचरण में किसकी स्तुति की गई है ?

   (ii) उपोद्घात किसे कहते हैं ?

(iii) आनन्त्य दोष किसे कहते हैं ?

(iv) नाट्यशास्त्रानुसार नाटक में 'पाठ्य' किस वेद से लिया गया है ?

(v) नाट्यशास्त्रानुसार भारती वृत्ति किसे कहते हैं ?

(vi) भामह के अनुसार काव्य कितने प्रकार का होता है ?

(vii) 'यस्य हल:' सूत्र का क्या अर्थ है ?

(viii) 'सक्तुमिव तितउना पुनन्तु' का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—ब **4×8=32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

प्रमाणमेषां निर्दिष्टं हस्तदण्डसमाश्रयम्।

शतं चाष्टौ चतु: षष्टिर्हस्ता द्वात्रिंशदेव च॥

अथवा

रङ्गपीठस्य पार्श्वे तु कर्तव्या मत्तवारणी।

चतु: स्तम्भसमायुक्ता रङ्गपीठप्रमाणत:॥

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

धर्मार्थकाममोक्षेषु वैचक्षण्यं कलासु च।

करोति कीर्तिं प्रीतिं च साधुकाव्यनिषेवणम्॥

अथवा

वाक्यं स्याद्योग्यताकांक्षासत्तियुक्त: पदोच्चय:।

वाक्योच्चयो महावाक्यं इत्थं वाक्यं द्विधा मम्॥

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक की सप्रसंग व्याख्या हिन्दी भाषा में कीजिए :

रूपकादिरलङ्कारस्तस्यान्यैर्बहुघोदित:।

न कान्तमपि निर्भूषं विभाति वनिताननम्॥

अथवा

संस्कृतानाकुलश्रव्य शब्दार्थपदवृत्तिना।

गद्येन युक्तोदात्तार्था सोच्छ्वासाख्यायिका मता॥

5. काव्यालंकार के अनुसार काव्य हेतुओं को संक्षेप में समझाइये।

6. रसनिष्पत्ति में अनुमितिवाद पर प्रकाश डालिए।